शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ,दिल्ली

अभ्यास प्रश्न पत्र (सत्र : 2023 - 2024)

कक्षा - ग्यारहवीं | विषय : समाजशास्त्र (कोड : **039**)

अवधि: 3 घंटे | अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न पत्र को चार खंडों में बांटा गया है।

2. कुल 35 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. खंड क में प्रश्न संख्या 1-16 है । ये बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रश्न के अनुसार, एक उत्तर हो सकता है।

4. खंड ख में प्रश्न संख्या 17-25 है । ये बहुत ही लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

5. खंड ग में प्रश्न संख्या 26-32 है। ये लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

6. खंड घ में प्रश्न संख्या 33- 35 है । ये दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

7. प्रश्न संख्या 34 का उत्तर दिए गए गद्यांश की सहायता से देना है ।

	खण्ड [क]	
1	अभिकथन(A) : सामाजिक संदर्भ में, वैधता इंगित करती है स्वीकृति की स्थिति जो शक्ति संतुलन में अंतर्निहित है । कारण (R) : ऐसी चीजें जो वैध हैं वह उचित, सही तथा ठीक मानी जाती है । (क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है। (ख) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है। (ग) A सही है लेकिन R गलत है। (घ) A गलत है और R सही है।	1
2	सत्ता की परिभाषा के अनुसार - (क) सत्ता प्यार से कार्य करवाने का अधिकार देती है (ख) सत्ता व्यक्ति को कमज़ोर बनाती है (ग) सत्ता स्वेच्छानुसार एक व्यक्ति से मनचाहे कार्य को करवाने की क्षमता रखती है। (घ) सत्ता व्यक्ति की मर्जी से काम करती है	1

3	किसे भारत में समाजशास्त्र को एक संस्थागत रूप में स्थापित करने का श्रेय दिया जाता है । (क) अनन्तकृष्ण अय्यर (ख) जी. एस. घूर्ये (ग) शरतचंद्र रॉय (घ) ए. आर. देसाई	1
4	ऐसे परिवर्तन को क्या नाम दिया गया है जो काफी लंबे समय तक धीरे-धीरे होता है ? (क) धीरे विकास (ख) उद्विकास (ग) विकास (घ) सम्पूर्ण विकास	1
5	'द प्रोटेस्टेंट एथिक एण्ड द स्पीरिट ऑफ कैपिटलिज्म' किसका अध्ययन है - (क) मैक्स वेबर (ख) दुर्खीम (ग) कार्ल मार्क्स (घ) श्रीनिवास	1
6	समाजशास्त्र को कभी - कभी किसकी संतान कहा जाता है ? (क) क्रांति के युग (ख) ज्ञान के युग (ग) परिश्रम के युग (घ) अंधकार के युग	1
7	कार्ल मार्क्स ______________के निवासी थे परंतु देश से निकाले जाने के कारण उन्होंने अपना अधिकतम समय ____________________में बिताया। (क) जर्मनी , अमरीका (ख) अमरीका, जर्मनी (ग) जर्मनी , ब्रिटेन (घ) अमरीका ,फ़्रांस	1

DoE,Delhi

8	1920 तथा 1950 ई. के मध्य भारत में समाजशास्त्र के दो प्रमुख विभाग मुंबई तथा लखनऊ में खुले। दोनों का प्रारंभ समाजशास्त्र तथा अर्थशास्त्र के मिले-जुले विभाग के रूप में हुआ। जहाँ मुंबई विभाग इस समय जी.एस. घूर्य द्वारा संचालित हो रहा था वहीं दूसरी ओर लखनऊ विभाग प्रसिद्ध 'त्रिदेव' द्वारा चलाया जा रहा था। 'त्रिदेव' के नाम से किन्हे पुकारा गया ? (क) राधाकमल मुकर्जी , डी.पी. मुकर्जी , डी. एन. मजूमदार (ख) राधाकमल मुकर्जी , डी.पी. मुकर्जी , घुर्ये (ग) श्रीनिवास , डी.पी. मुकर्जी , डी. एन. मजूमदार (घ) राधाकमल मुकर्जी , डी. एन. मजूमदार, एलविन	1
9	अभिकथन(A) : विचारधारा का होना एक मुख्य कारण है क्योंकि आर्थिक तथा सामाजिक-राजनीतिक प्रक्रियाओं के संबंध बहुत जटिल होते हैं। कारण (R) : प्रत्येक काल में शासक वर्गों द्वारा प्रभुत्वशाली विचारधारा को बढ़ावा दिया जाता है। (क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है। (ख) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है। (ग) A सही है लेकिन R गलत है। (घ) A गलत है और R सही है।	1
10	______________________को समाजशास्त्र के औपचारिक संकाय का संस्थापक माना जा सकता है क्योंकि वे सन 1913 में पेरिस में समाजशास्त्र के पहले प्रोफेसर थे । (क) एमिल दुर्खाइम (ख) मार्क्स (ग) वेबर (घ) घुर्ये	1
11	कौन सी प्रथा एक समय में एक से अधिक साथी होने का द्योतक है ? (क) अंतर्विवाह (ख) बहिर्विवाह (ग) बहुविवाह (घ) एकविवाह	1

DoE, Delhi

12	**अभिकथन**(A) : एक प्रमुख विषय जिस पर घूर्ये ने कार्य किया वह था 'जनजाति' अथवा 'आदिवासी' संस्कृति। कारण (R) : वास्तव में इस विषय पर इनका लेखन, और मुख्य रूप से वेरियर एलविन के साथ हुए वाद-विवाद ने इन्हें समाजशास्त्र तथा शिक्षा की दुनिया से बाहर एक पहचान दी। (क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है। (ख) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है। (ग) A सही है लेकिन R गलत है। (घ) A गलत है और R सही है।	1
13	**अभिकथन**(A) : रिजले तथा अन्य लोगों की यह मान्यता थी कि भारत विभिन्न प्रजातियों के उद्विकास के अध्ययन की एक विशिष्ट 'प्रयोगशाला' था क्योंकि जाति एक लंबे समय से विभिन्न समूहों के बीच एक लंबे समय से अंतर्विवाह निषिद्ध करती है। कारण (R) : रिजले का मुख्य तर्क था कि जाति का उद्भव प्रजाति से हुआ होगा क्योंकि विभिन्न जाति समूह किसी विशिष्ट प्रजाति से संबंधित लगते हैं। (क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है। (ख) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है। (ग) A सही है लेकिन R गलत है। (घ) A गलत है और R सही है।	1
14	राजनीतिक संस्थाओं का सरोकार समाज में ____________के बँटवारे से है । (क) कार्य (ख) शक्ति (ग) संसाधनों (घ) सत्ता	1
15	_____________समाज में प्रत्येक व्यक्ति बहुविध भूमिकाएँ अदा करता है । (क) संपूर्ण (ख) बाल (ग) बौद्धिक (घ) आधुनिक	1
16	कानून के विषय में क्या सही नहीं हैं - (क) कानून सरकार द्वारा बनाए नियम हैं (ख) कानून सरकार द्वारा बनाए सिद्धांत हैं (ग) कानून कोई भी बना लेता है । (घ) औपचारिक स्वीकृति है ।	1

DoE, Delhi

	खण्ड [ख]	
17	डी.पी. मुकर्जी भारतीय इतिहास तथा अर्थव्यवस्था के प्रति अपने असंतोष के कारण समाजशास्त्र की ओर मुड़े । उनका यह मानना था कि भारत की सामाजिक व्यवस्था ही उसका निर्णायक एवं विशिष्ट लक्षण है और इसलिए ,यह प्रत्येक सामाजिक विज्ञान के लिए आवश्यक है कि वह इस संदर्भ में इससे जुड़ा हो । भारतीय संदर्भ में निर्णायक पक्ष उसका सामाजिक पक्ष है- इतिहास, राजनीति तथा अर्थशास्त्र पश्चिम के मुकाबले भारत में कम विकसित थे; उसका सामाजिक आयाम अधिकाधिक विकसित था । **दिए गए अनुच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें ।** डी.पी. मुकर्जी के अनुसार भारतीय समाजशास्त्री के लिए क्या आवश्यक होता है और क्यों ?	2
	अथवा	
	भारतीय संदर्भ में संघर्ष तथा विद्रोह सामूहिक अनुभवों के आधार पर कार्य करते हैं। परंतु परंपरा का लचीलापन इसका ध्यान रखता है कि संघर्ष का दबाव परंपराओं को बिना तोड़े उनमें परिवर्तन लाए। अतः हम देखते हैं कि किस प्रकार प्रभावी रूढ़िवाद को लोकप्रिय विद्रोहों द्वारा चुनौती दी जाती है जो आगे चलकर रूढ़िवाद को परिवर्तित करने में सफल तो हो जाती हैं परंतु ये परिवर्तन आखिरकार परंपरा में अवशोषित कर लिए जाते हैं। **दिए गए अनुच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें ।** डी.पी. ने पाश्चात्य देशों से बिना सोचे-समझे बौद्धिक परंपराओं को ग्रहण करने के संदर्भ में क्या कहा ?	2
18	देसाई द्वारा कल्याणकारी राज्य को कैसा राज्य बताया गया है ? कल्याणकारी राज्य की अर्थव्यवस्था कैसी होती है ?	2
19	पूँजीवादी समाज की दो विशेषताएं बताएं ।	2
20	पर्यावरण और सामाजिक परिवर्तन में किस प्रकार का संबंध हैं ?	2
21	विद्यालय छात्र के समाजीकरण में क्या भूमिका निभाता है ?	2
22	परिवार किस तरह से लिंगवादी होता है ।	2

DoE, Delhi

23	किसी भी समूह के लोगों के लिए हमेशा ऐसे दूसरे समूह होते हैं जिनको वे अपने आदर्श की तरह देखते हैं और उनके जैसे बनना चाहते हैं। वे समूह जिनकी जीवन शैली का अनुकरण किया जाता है, संदर्भ समूह कहलाते हैं। हम अपने संदर्भ समूहों से संबंधित नहीं होते हैं, पर हम अपने आपको उस समूह से अभिनिर्धारित अवश्य करते हैं। सन्दर्भ समूह किस प्रकार महत्वपूर्ण होते हैं ? किस प्रकार संदर्भ समूह लिंग भेद पर आधारित हो सकते है ?	2
24	प्रत्येक विद्यार्थी को तरक्की हेतु मेहनत से अध्ययन अवश्य करना चाहिए। लेकिन वह कितना अच्छा कर पाता है यह सामाजिक कारकों के एक पूरे समुच्चय द्वारा निर्धारित होता है। नौकरी का बाज़ार अर्थव्यवस्था की ज़रूरतों से परिभाषित होता है। अर्थव्यवस्था की ज़रूरतें भी पुनः सरकार की आर्थिक एवं राजनीतिक नीतियों पर निर्भर रहती हैं। किसी विद्यार्थी की नौकरी के अवसर इन विशिष्ट राजनीतिक-आर्थिक आँकड़ों के साथ-साथ उसके परिवार की सामाजिक पृष्ठभूमि से भी प्रभावित होते हैं। यहाँ से हमें इस बात का प्रारंभिक ज्ञान मिलता है कि किस प्रकार समाजशास्त्र मानव समाज का एक अंत: संबंधित समग्र के रूप में अध्ययन करता है, और किस तरह समाज और व्यक्ति एक दूसरे से अंतःक्रिया करते हैं। अनुच्छेद को पढ़े और बताए किस प्रकार अर्थव्यवस्था की जरूरतें नौकरी के बाज़ार को परिभाषित करती है ?	2
	अथवा	
	एक अच्छी नौकरी के क्या मायने होते है ?	2
25	हम किस प्रकार एक से ज्यादा 'समाजों' से जुड़े हुए हैं ?	2
	खण्ड [ग]	
26	घूर्ये की शैक्षिक साख उनके द्वारा केम्ब्रिज में किए गए डॉक्ट्रेट के शोध निबंध के आधार पर बनी जो आगे चल कर 1932 में कास्ट एंड रेस इन इंडिया के नाम से प्रकाशित हुआ। घूर्ये के कार्य ने लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया क्योंकि इन्होंने समकालीन भारतीय मानवविज्ञान के मुद्दों को संबोधित किया था। इस पुस्तक में घूर्ये ने जाति तथा प्रजाति के संबंधों पर प्रचलित सिद्धांतों की विस्तारपूर्वक आलोचना की। इस सर्वप्रचलित विचार के प्रमुख उदघोषक हरबर्ट रिजले थे, जो ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारी थे और मानवविज्ञान के मामलों में बेहद रुचि रखते थे। इस विचारधारा के अनुसार मनुष्य का विभाजन उसकी शारीरिक विशिष्टताओं को ध्यान में रखते हुए जैसे- खोपड़ी की चौड़ाई, नाक की लंबाई, अथवा कपाल का भार या खोपड़ी का वह हिस्सा जहाँ दिमाग की स्थिति होती है-अलग तथा भिन्न प्रजातियों में बाँटा गया है। जाति तथा प्रजाति पर घूर्ये के विचार क्या थे ?	4

DoE Delhi

27	कानून एवं प्रतिमान में अंतर स्पष्ट करें ।	4
	अथवा	
	सांस्कृतिक परिवर्तन को उदाहरण सहित समझाये ?	4
28	भौतिक संस्कृति से आप क्या समझते है ?	4
29	सामाजिक संस्थाओं को समझने में दो संकल्पनाएँ बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। ये हैं-शक्ति और सत्ता । शक्ति व्यक्तियों या समूहों द्वारा दूसरों के विरोध करने के बावजूद अपनी इच्छा पूरी करने की योग्यता है। इसका अभिप्राय है कि जिनके पास शक्ति होती है वे ऐसा करते हैं क्योंकि दूसरों के पास शक्ति नहीं होती है। किसी समाज में निश्चित मात्रा में शक्ति होती हैं और यदि कुछ लोगों के पास यह है तो दूसरों के पास नहीं होगी। दूसरे शब्दों में एक व्यक्ति या समूह के पास शक्ति पृथकता में नहीं होती बल्कि यह दूसरों से संबंधित होती है। आप किस प्रकार शक्ति का प्रयोग होते हुए अपने आस - पास देखते है ? क्या आपको लगता है की शक्ति का प्रयोग आवश्यक है ?	4
30	राज्य वहाँ विद्यमान होता है जहाँ सरकार का एक राजनीतिक तंत्र एक निश्चित क्षेत्र पर शासन करता है। सरकार की सत्ता एक वैध व्यवस्था से समर्थित होती है और जो अपनी नीतियों को लागू करने के लिए सैन्य शक्ति के उपयोग की क्षमता रखती है। प्रकार्यवादी दृष्टिकोण राज्य को समाज के सभी अनुभागों के हितों के प्रतिनिधि के रूप में देखता है। संघर्षवादी दृष्टिकोण राज्य को समाज के प्रभावशाली अनुभागों के प्रतिनिधि के रूप में देखता है। आधुनिक राज्य पारंपरिक राज्यों से किस प्रकार भिन्न हैं ? प्रभुसत्ता का अभिप्राय क्या है ? नागरिकता के अधिकारों के बारे में बताए ?	4
31	स्तरीकरण की चार मूल व्यवस्थाएं कौन सी हैं ? प्रत्येक के विषय में विस्तार से बताए ?	4
32	सामाजिक नियंत्रण क्या होता है ? क्या आपको लगता है की सामाजिक नियंत्रण ,समाज की आवश्यकता है ? कारण बताएं ?	4
	खण्ड [घ]	
33	जैसा कि आप जानते हैं, भारतीयों की तरह एक रहने पर भी हमें एक-दूसरे को एक दूसरे से असहमत होने से नहीं रोक सकते। विभिन्न राजनैतिक दलों की भिन्न कार्यसूचियाँ होती हैं यद्यपि वे एक ही संविधान का आदर करते हैं। एक जैसे ट्रैफिक नियमों का ज्ञान सड़क पर जोरदार बहस को रोक नहीं पाता। समाज में कितने अंतर अथवा असहमति को सहन किया जाता है ? अपराध क्या है ? उदाहरण दे कर बताए की किस प्रकार कानून तोड़ना नैतिक भी हो सकता है ?	6

DoE Delhi

34	नौकरशाही संगठन का वह साधन था जो घरेलू दुनिया को सार्वजनिक दुनिया से अलग करने पर आधारित था। इसका अर्थ यह हुआ कि सार्वजनिक क्षेत्र में व्यवहार स्पष्ट नियमों से संचालित होते थे। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक संस्था के रूप में, नौकरशाही कर्मचारियों की शक्तियों को उनकी जिम्मेदारियों की तुलना में प्रतिबंधित करती है तथा उन्हें संपूर्ण शक्ति प्रदान नहीं करती। **दिये गए अनुच्छेद के आधार पर , निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -** (क) नौकरशाही सत्ता की दो विशिष्टताएँ बताए ? (ख) नौकरशाही संगठन किस प्रकार घरेलू दुनिया को सार्वजनिक दुनिया से अलग करता है ? (ग) नौकरशाही के दो उदाहरण दें ?	6
35	**सामाजिक असमानता से आप क्या समझते है ?** अमर्त्य सेन के अनुसार किस प्रकार असमानता समाजों के बीच केंद्रीय बिंदु है ?	6

DoE,Delhi